

THINK IAS

JOIN SAMYAK

Samyak

An Institute For Civil Services

DAILY CURRENT नामा

19 सितंबर 2024



9875170111

SAMYAK IAS, NEAR RIDDH-SIDDHI, JAIPUR

कला और संस्कृति

1. पुलिकली (पुलिक्कली) - द हिंदू

पुलिकली (पुलिक्कली)

शाब्दिक अर्थ:	{ मलयालम में पुली का अर्थ है तेंदुआ/ बाघ और कली का अर्थ है खेल
विवरण:	{ ओणम (राजा महाबली की याद में मनाया जाने वाला केरल का हिंदू चावल कटाई उत्सव) के चौथे दिन प्रदर्शित की जाने वाली एक मनोरंजक लोक कला।
अभ्यास:	{ मुख्य रूप से केरल के त्रिशूर जिले में किया जाता है।
मुख्य विषय:	{ बाघ का शिकार जिसमें प्रतिभागी बाघ और शिकारी की भूमिका निभाते हैं।
उत्सव:	{ कलाकार अपने शरीर को बाघों और शिकारियों की तरह रंगते हैं और पारंपरिक वाद्य यंत्रों जैसे थकिल, उडुक्कु और चेंडा की धुन पर सड़कों पर नृत्य करते हैं।
प्रथम परिचय:	{ कोचीन के तत्कालीन महाराजा राम वर्मा सक्थन थंपुरन द्वारा प्रथम बार लाया गया।

2. आरन्मुला नौका दौड़ - द हिंदू

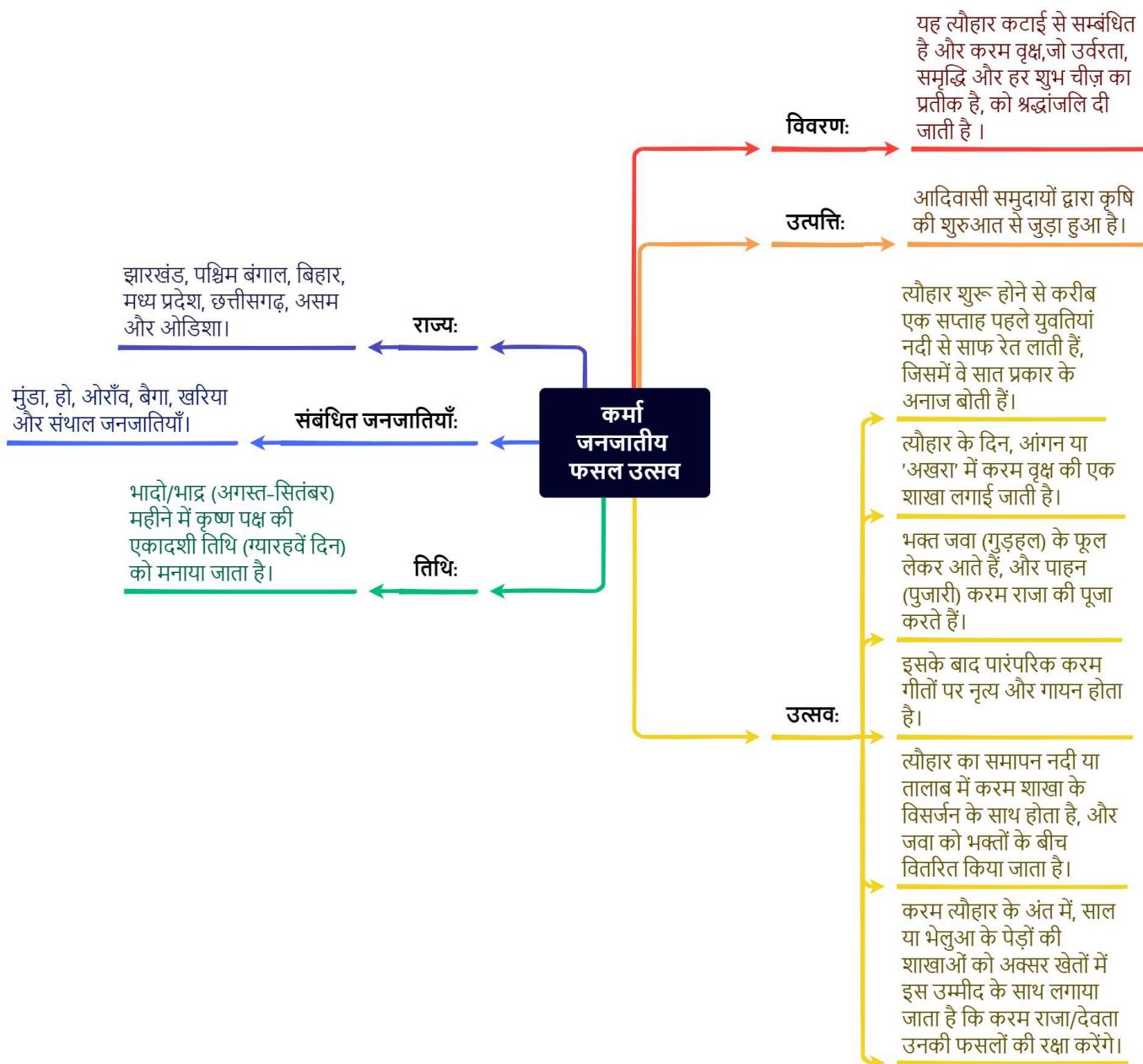
- विवरण:** केरल में ओणम (अगस्त-सितंबर) के दौरान आयोजित होने वाली सबसे पुरानी नदी नौका दौड़।
- स्थान:** पंपा नदी में आरन्मुला पार्थिसारथी मंदिर (भगवान कृष्ण और अर्जुन को समर्पित) के निकट।
- पल्लियोडम/ चुंडन वल्लम :** आरन्मुला की अनोखी सर्प नौकाएँ।
- वंचिपट्ट (गीत) :** नाव चलाते समय नाविकों द्वारा गाए जाने वाले पारंपरिक नाव गीत।

3. कर्मजनजातीय फसल उत्सव - इंडियन एक्सप्रेस

संदर्भ »

झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और ओडिशा में जनजातीय आबादी ने पिछले सप्ताह फसल उत्सव करमा या करम पर्व मनाया।

कर्मउत्सव »



समाज

4. पीएम-आशा योजना अतिरिक्त सुविधाओं के साथ जारी रहेंगी: केंद्र - द हिंदू

संदर्भ »

सरकार ने किसानों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने और उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में अल्पिटता को नियंत्रित करने के लिए 35,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पीएम-आशा योजना को जारी रखने की मंजूरी दी है।

प्रधान मंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (PM-AASHA) »

प्रधान मंत्री
अन्नदाता आय
संरक्षण अभियान
(PM-AASHA)



5. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के भुवनेश्वर में सबसे बड़ी महिला केंद्रित योजना 'सुभद्रा' का शुभारंभ किया - पीआईबी

संदर्भ »

प्रधानमंत्री ने हाल ही में ओडिशा के भुवनेश्वर में ओडिशा सरकार की प्रमुख योजना 'सुभद्रा' का शुभारंभ किया।

सुभद्रा योजना »



वैशिक मामले

6. भारत सिंधु जल पर पाकिस्तान के साथ वार्ता रोकेगा - द हिंदू/भारत सिंधु जल संधि की 'समीक्षा और संशोधन' क्यों चाहता है - इंडियन एक्सप्रेस

संदर्भ »

जनवरी 2023 में सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) में "संशोधन" की मांग करते हुए नई दिल्ली द्वारा इस्लामाबाद को नोटिस जारी करने के डेढ़ साल बाद, भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को औपचारिक नोटिस भेजा है, इस बार संधि की "समीक्षा और संशोधन" की मांग की गई है।

सिंधु जल संधि (IWT) >

जानें क्या है सिंधु जल समझौता

19 सितंबर 1960
को समझौते पर
हस्ताक्षर

6 नदियों
पर हुआ सिंधु जल
समझौता

80 फीसदी
पानी पाकिस्तान
को जाता है

20 फीसदी
पानी भारत के
हिस्से आता है

3 पूर्वी नदियों
व्यास, रावी और सतलुज
का पानी भारत को

3 पश्चिमी नदियों
सिंधु, चिनाब और झेलम
का पानी पाक को आवंटित

36 लाख एकड़
फीट पानी पश्चिमी नदियों
से ले सकता है भारत

समझौता टूटने के खतरे

अंतर्राष्ट्रीय नियंत्रण

बढ़ की आशका

दूसरे देशों से जल समझौते में दिवकरता

- विवरण:** 19 सितंबर, 1960 को कराची में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन पाकिस्तान के राष्ट्रपति मोहम्मद अयूब खान द्वारा सिंधु और उसकी सहायक नदियों में उपलब्ध पानी के उपयोग के लिए हस्ताक्षरित।
- मध्यस्थ:** विश्व बैंक
- जल का विभाजन:** भारत को तीन "पूर्वी नदियों [व्यास, रावी, सतलुज]" के "अप्रतिबंधित उपयोग" का अधिकार है, जबकि पाकिस्तान को तीन "पश्चिमी नदियों" [सिंधु, चिनाब, झेलम] का नियंत्रण दिया गया है।

भारत संधि पर पुनः वार्ता क्यों करना चाहता है? >

- जनसांख्यिकी में परिवर्तन
- पर्यावरण संबंधी मुद्दे
- भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्वच्छ ऊजकि विकास में तेज़ी लाने की आवश्यकता
- लगातार सीमा पार आतंकवाद का प्रभाव
- जम्मू-कश्मीर में 2 भारतीय जल विद्युत (रन-ऑफ-द-रिवर) बिजली परियोजनाओं की आवश्यकताएँ:
(1) किशनगंगा परियोजना (2) किशतवाड़ जिले में चिनाब पर रतले पनबिजली परियोजना

7. क्या शेख हसीना का प्रत्यर्पण हो सकता है? - द हिंदू

संदर्भ »

बांगलादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT) के मुख्य अभियोक्ता ने पड़ोसी देश भारत से अपदस्थ नेता शेख हसीना के प्रत्यर्पण की योजना की घोषणा की है। जन-विद्रोह के कारण पद छोड़ने के लिए मजबूर होने के बाद उन्होंने भारत में शरण ली थी।

स्थापना: 2010 में सुश्री हसीना द्वारा पाकिस्तान से 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किए गए अपराधों की जांच के लिए।

अंतर्राष्ट्रीय अपराध (न्यायाधिकरण) अधिनियम, 1973: बांगलादेशी अदालतें प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में भी आपराधिक मुकदमे चला सकती हैं।

मुद्दे: कार्यवाही की निष्पक्षता और उचित प्रक्रिया के पालन के बारे में चिंताएँ देखि गईं, साथ ही न्यायिक आदेशों के प्रवर्तन को भी जटिल बनाया।

2013: भारत और बांगलादेश ने अपनी साझा सीमाओं पर उग्रवाद और आतंकवाद को संबोधित करने के लिए एक प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर किए।

2016: दोनों देशों द्वारा वाचित भगोड़ों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए इसमें संशोधन किया गया।

प्रत्यर्पण का आधार: ऐसे अपराधों के लिए आरोपित या दोषी ठहराए गए व्यक्तियों के प्रत्यर्पण को अनिवार्य बनाता है, जिनके लिए न्यूनतम एक वर्ष के कारावास की सजा हो सकती है।

प्रत्यर्पण के लिए मुख्य आवश्यकता: दोहरी आपराधिकता का सिद्धांत, जिसका अर्थ है कि अपराध दोनों देशों में दंडनीय होना चाहिए।

अधिकार क्षेत्र: संधि अपने दायरे में ऐसे अपराधों को करने के प्रयासों के साथ-साथ सहायता, उकसाना, या ऐसे अपराधों में सहयोगी के रूप में कार्य करना शामिल करती है।

संधि का अनुच्छेद 10: अनुरोध करने वाले देश में सक्षम न्यायालय द्वारा जारी किया गया गिरफतारी वारंट प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू करने के लिए ज़रूरी है।

अनुच्छेद 6: यह निर्धारित करता है कि यदि अपराध "राजनीतिक प्रकृति" का है तो प्रत्यर्पण से इनकार किया जा सकता है।

बहिष्कृत अपराध: हत्या, आतंकवाद और अपहरण से संबंधित अपराधों को स्पष्ट रूप से राजनीतिक अपराधों के रूप में वर्णित किए जाने से बाहर रखा गया है।

अनुच्छेद 8: यह अनुरोध को अस्वीकार करने की अनुमति देता है यदि आरोप "न्याय के हित में सञ्चालनापूर्वक नहीं लगाया गया है" या यदि इसमें सैन्य अपराध शामिल हैं जिन्हें "सामान्य आपराधिक कानून के तहत अपराध" नहीं माना जाता है।

शेख हसीना का प्रत्यर्पण

प्रत्यर्पण से इनकार

अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT)

भारत-बांगलादेश प्रत्यर्पण संधि

प्रावधान:

अर्थव्यवस्था

8. OIDAR सेवा क्षेत्र - इंडियन एक्सप्रेस

संदर्भ »

एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन सूचना और डेटाबेस एक्सेस या रिट्रीवल (ओआईडीएआर) सेवाओं के कई प्रदाता, विशेष रूप से विदेश में स्थित और भारतीय कर अधिकारियों के साथ अपंजीकृत प्रदाता, एक "अपेक्षाकृत अप्रयुक्त" क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ऑनलाइन सूचना और डेटाबेस एक्सेस या रिट्रीवल (OIDAR) सेवाएं »

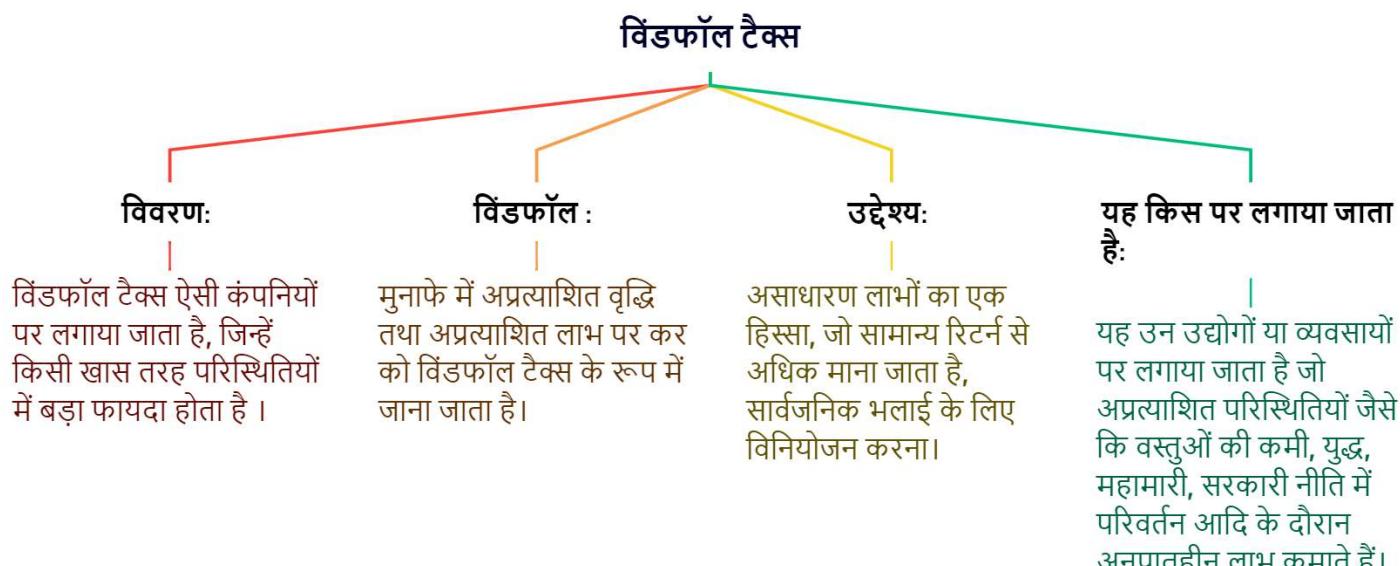
- विवरण:** इंटरनेट के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवाओं की एक श्रेणी जिसे प्राप्तकर्ता ऑनलाइन प्राप्त करता है, ऐसी सेवाओं के आपूर्तिकर्ता के साथ कोई भौतिक इंटरफ़ेस नहीं होता है।
- OIDAR सेवा निर्धारित करने के लिए मानदंड:** उनकी डिलीवरी इंटरनेट / इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा की जाती है और सेवाएँ स्वचालित होती हैं।

9. सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स समाप्त किया - द हिंदू

संदर्भ »

सरकार ने हाल ही में घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को घटाकर 'थून्य' प्रति टन कर दिया है, जो 18 सितंबर से प्रभावी होगा।

विंडफॉल टैक्स »



Samyak

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

10. गगनयान - द हिन्दू

गगनयान मिशन

क्रू मॉड्यूल (Crew Module)



सर्विस मॉड्यूल
(Service Module)

क्रू मॉड्यूल: अंतरिक्ष यात्रियों के बैठने का स्थान

सर्विस मॉड्यूल: ऑर्बिटर संचालन में सहायक

ऑर्बिटर मॉड्यूल
(Orbiter Module)



GSLV M-III से बना
HLV-III

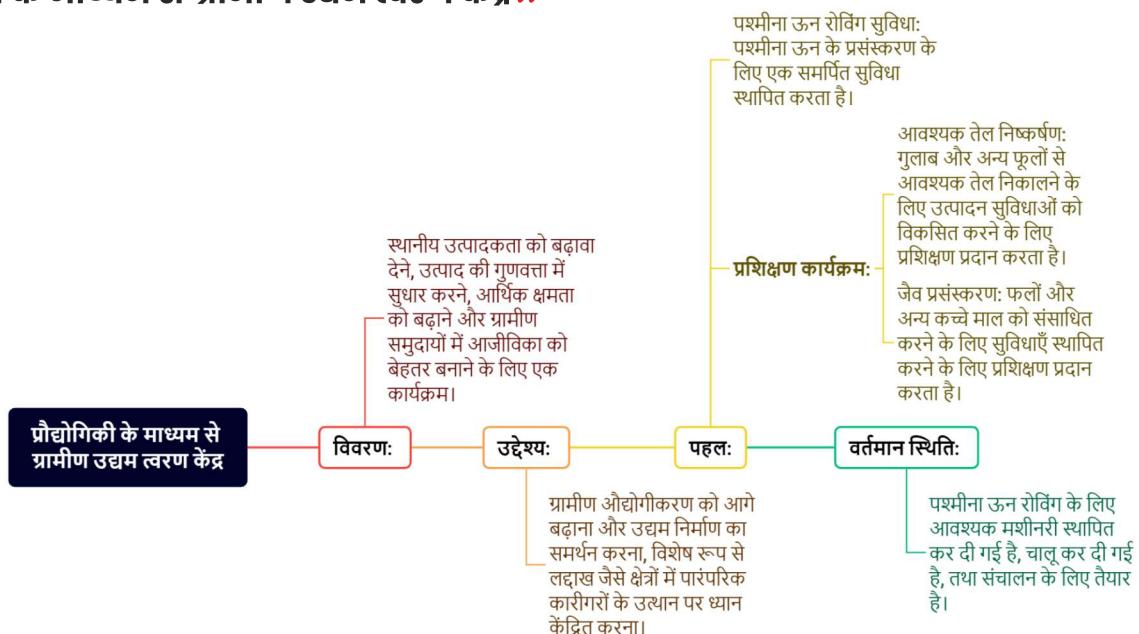
- **विवरण:** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा भारत का पहला मानवयुक्त मिशन जो 3 दिनों तक पृथकी से 300-400 किमी की ऊंचाई पर पृथकी की निचली कक्षा में चक्रवर्ती लगाएगा।
- **कार्यक्रम:**
 - 2 मानवरहित उड़ानें
 - 1 मानव अंतरिक्ष उड़ान
- **गगनयान सिस्टम मॉड्यूल/ऑर्बिटर मॉड्यूल:** इसमें एक महिला सहित तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्री होंगे।
- **पेलोड:**
 - क्रू मॉड्यूल: मानव को ले जाने वाला अंतरिक्ष यान।
 - सर्विस मॉड्यूल: दो लिक्विड प्रोपेलेंट इंजन द्वारा संचालित।
 - आपातकालीन निकास और आपातकालीन मिशन अबोर्ट व्यवस्था
- **प्रमोचन:** GSLV Mk III / LVM -3 (प्रक्षेपण वाहन मार्क-3) - तीन-चरणीय भारी लिफ्ट प्रमोचन वाहन।

8. लेह में प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण उद्यम त्वरण केंद्र (Rural Enterprise Acceleration through Technology (CREATE)) का उद्घाटन – पीआईबी

संदर्भ >

केंद्रीय एमएसएमई मंत्री ने हाल ही में वर्चुअल माध्यम से लेह में प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण उद्यम त्वरण केंद्र (CREATE) का उद्घाटन किया।

प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण उद्यम त्वरण केंद्र »



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

9. अध्ययन के उद्देश्य से अन्नामलाई टाइगर रिजर्व में नीलगिरि तहर को ट्रेडिंग कॉलर लगाया गया - द हिंदू

संदर्भ >

मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान में अध्ययन के उद्देश्य से ऐडियो कॉलर लगाए गए नीलगिरि तहस पर मांसाहारी जानवर द्वारा हमला किए जाने के एक महीने बाद, तमिलनाडु वन विभाग ने एक अन्य नीलगिरि तहस पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाई है।



11. चंद्रयान-4, वीनस ऑर्बिटर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिली - द हिंदू

संदर्भ »

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है, जिसमें मानवयुक्त चंद्र मिशन के लिए प्रारंभिक उपाय शामिल किए गए हैं। इसने वीनस ऑर्बिटर मिशन को भी मंजूरी दे दी है।

लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (LMV-3): यह प्रणोदन, अवरोही और आरोही मॉड्यूल ले जाएगा।

धूरीय उपग्रह प्रमोचन वाहन (PSLV): यह ट्रांसफर और पुनः प्रवेश मॉड्यूल को उनके निर्दिष्ट चंद्र कक्षाओं में ले जाएगा।

लूनर प्रोपल्शन मॉड्यूल: यह चंद्रयान-3 में इस्तेमाल किए गए प्रोपल्शन मॉड्यूल के समान, लूनर लैंडर और एसेंडर चरणों को चंद्रमा पर पहुंचाता है।

लूनर लैंडर: चंद्रमा पर उतरेगा, एसेंडर चरण और नमूने लेने वाले उपकरणों का समर्थन करने के लिए उपकरण ले जाएगा।

लूनर मॉड्यूल एसेंडर: नमूने एकत्र करने के बाद, यह लैंडर से अलग हो जाएगा, और डॉकिंग के लिए तैयार होगा।

ट्रांसफर मॉड्यूल: एसेंडर से नमूनों को री-एंट्री मॉड्यूल में स्थानांतरित करेगा, उन्हें वापस पृथ्वी पर ले जाएगा।

री-एंट्री मॉड्यूल: चंद्र मृदा के नमूनों के साथ सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौटने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसका उद्देश्य चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करना, चंद्र चूटान के नमूने एकत्र करना और उन्हें पृथ्वी पर वापस लाना है और यदि यह सफल रहा, तो भारत इस चुनौतीपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने में अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथे स्थान पर होगा।

प्रक्षेपण वाहन/ प्रमोचन वाहन:

चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सौम्य लैंडिंग करना और उन्हें एकत्र करना और संग्रहीत करना।

चंद्रमा की सतह से उड़ान भरना।

चंद्रमा की कक्षा में डॉकिंग और अनडॉकिंग।

अंतरिक्ष यान मॉड्यूल के बीच नमूनों को स्थानांतरित करना।

एकत्रित नमूनों को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना।

पेलोड:

एसेंडर: चंद्र लैंडिंग के लिए डिज़ाइन किया गया, मिट्टी के नमूने लेने के लिए उपकरण ले जाता है।

डीसेंडर: नमूने एकत्र करने के बाद लैंडर से अलग हो जाता है, फिर चंद्र सतह से ऊपर उठ जाता है।

ट्रांसफर मॉड्यूल: एसेंडर से नमूने प्राप्त करता है और उन्हें री-एंट्री मॉड्यूल में ले जाता है।

री-एंट्री मॉड्यूल: चंद्र नमूनों को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाता है।

विवरण:

चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सौम्य लैंडिंग करना और उन्हें एकत्र करना और संग्रहीत करना।

चंद्रमा की सतह से उड़ान भरना।

चंद्रमा की कक्षा में डॉकिंग और अनडॉकिंग।

अंतरिक्ष यान मॉड्यूल के बीच नमूनों को स्थानांतरित करना।

एकत्रित नमूनों को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना।

12. पृथ्वी का अस्थायी 'मिनी-मून' - इंडियन एक्सप्रेस

संदर्भ »

एक नए अध्ययन के अनुसार, पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण सितंबर के अंत में 2024 PT5 नामक एक छोटे क्षुद्रग्रह को अपनी कक्षा में ले आएगा। यह क्षुद्रग्रह पृथ्वी की कक्षा में दो महीने तक रहेगा। हालाँकि इस तरह का "मिनी-मून" पृथ्वी के लिए कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह घटना दुर्लभ है, क्षुद्रग्रह या तो हमारे ग्रह से चूक जाते हैं, या पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही जल जाते हैं।

मिनी-मून »

- विवरण:** लघु क्षुद्रग्रह जो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण से बच निकलने में विफल रहते हैं और कुछ समय के लिए ग्रह की परिक्रमा करते रहते हैं।
- पतालगाना मुख्यिकल:** पृथ्वी के केवल चार छोटे चंद्रमा (मिनी-मून) ही खोजे गए हैं।

2024 PT5 »

- खोज:** नासा द्वारा वित्तपोषित एस्ट्रोग्राफ टेरेस्ट्रियल इम्पैक्ट - लास्ट अलर्ट सिस्टम (AT-LAS) की सहायता से खोजा गया।
- आयाम:** अनुमानत केवल 33 फीट लंबा है और यह आंखों या सामान्य दूरबीनों से दिखाई नहीं देता है।
- महत्व:**
 - 2024 PT5 के अवलोकन से वैज्ञानिकों को उन क्षुद्रग्रहों के बारे में पता लगाने में मदद मिलेगी जो पृथ्वी के कटीब से गुजरते हैं या जो कभी-कभी इससे टकराते हैं।
 - कई क्षुद्रग्रहों में बहुमूल्य खनिज और पानी होता है, जिसका उपयोग कंपनियां रॉकेट ईंधन जैसे उद्देश्यों के लिए करना चाहती हैं।

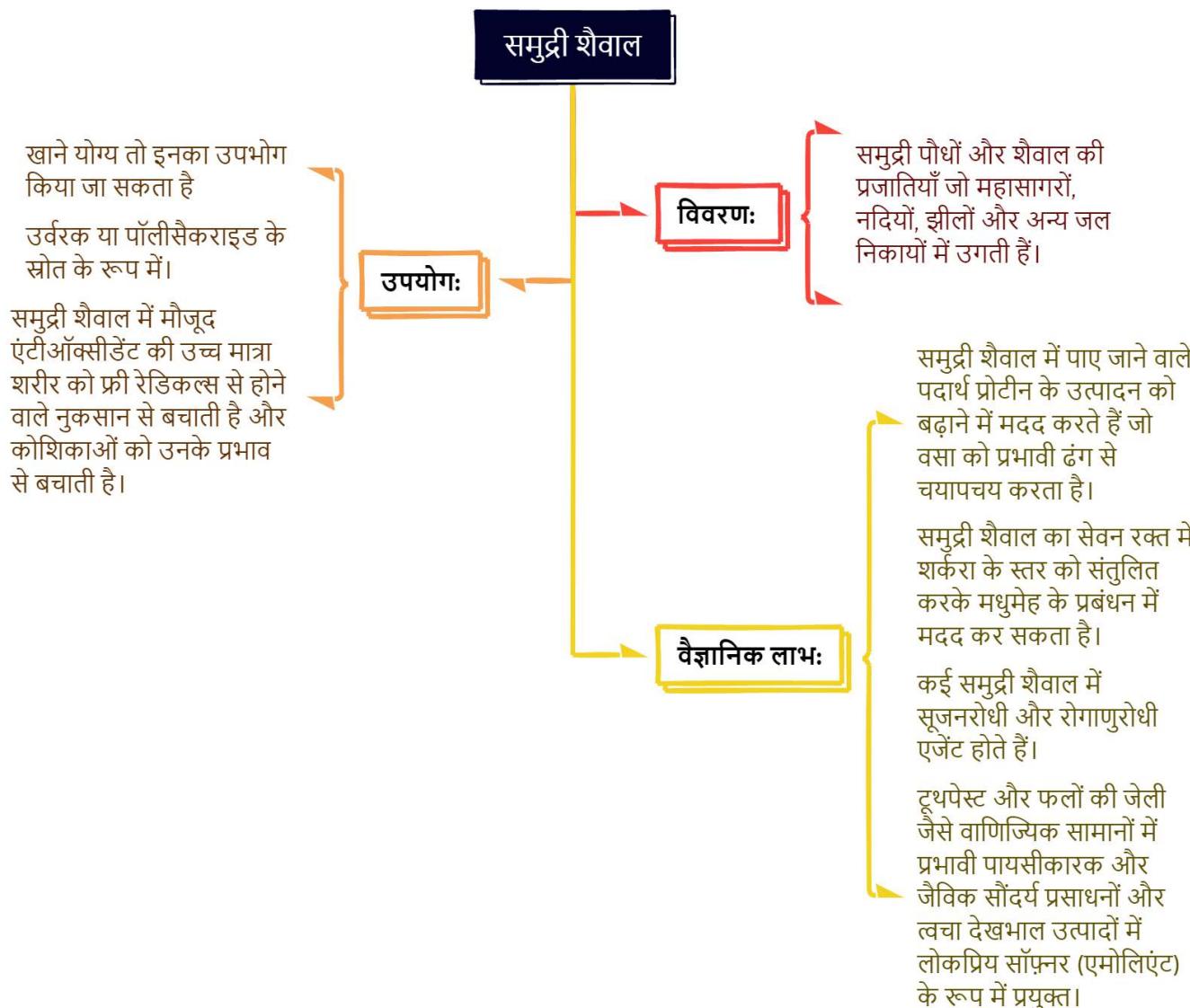


13. CMFRI इकाई को समुद्री शैवाल की खेती के लिए उत्कृष्टता केंद्र नामित किया गया - द हिंदू

संदर्भ »

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत मत्स्यपालन विभाग ने ICAR -केंद्रीय समुद्री माल्ट्यिकी अनुसंधान संस्थान (CMFRI) को समुद्री शैवाल की खेती के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया है।

समुद्री शैवाल »



14. नेक्रोटाइजिंग फ़ासाइटिस - इंडियन एक्सप्रेस

संदर्भ »

सिसिली द्वीप समूह का एक 59 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति, मकड़ी के काटने से बच गया, पर बाद में जानलेवा नेक्रोटाइजिंग फ़ासाइटिस का शिकार हो गया।

नेक्रोटाइजिंग फ़ासाइटिस »

वर्तमान में कोई टीका उपलब्ध नहीं है तथा इसका उपचार एंटीबायोटिक दवाओं तथा क्षतिग्रस्त ऊतकों को हटाने के लिए सर्जरी द्वारा किया जाता है।

उपचार:

एक दुर्लभ और जानलेवा जीवाणु संक्रमण जो त्वचा के नीचे के ऊतक को प्रभावित करता है जिसे फ़ेसिया कहा जाता है।

प्रारंभिक लक्षण: फ्लू के समान।

बाद के लक्षण: त्वचा का लाल होना और/या उसका रंग बदल जाना, प्रभावित ऊतकों में सूजन, अस्थिर रक्त प्रवाह, खूनी या पीले रंग के तरल पदार्थ से भरे छाले, ऊतक मृत्यु (नेक्रोसिस), निम्न रक्तचाप, सेप्सिस, आदि।

लक्षण:

नेक्रोटाइजिंग फ़ासाइटिस

नेक्रोटाइजिंग:

ऊतक की मृत्यु का कारण बनता है, और "फ़ासाइटिस" फ़ेसिया सूजन को संदर्भित करता है, जो त्वचा के नीचे का ऊतक है।

खरोंच द्वारा
जलने एवं झूलने से
कीटों के काटने द्वारा
सर्जरी द्वारा
इंजेक्शन लगाने से

संक्रमण:

2 प्रकार:

टाइप I/ पॉलीमाइक्रोबियल: तब होता है जब एक से अधिक बैक्टीरिया, आमतौर पर एरोबिक और एनारोबिक बैक्टीरिया का मिश्रण, संक्रमण का कारण बनता है।

टाइप II/ मोनोमाइक्रोबियल: एक बैक्टीरिया, ग्रुप ए स्ट्रैटोकोकस या स्ट्रैफिलोकोकस ऑरियस बैक्टीरिया के कारण होता है।